आत्मा, सरायकेला के सौजन्य से मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के अधीन प्रकाशित

मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना संदेश

झारखण्ड सरकार

सरायकेला जिले के समग्र कृषि विकास हेतु किसानोपयोगी गतिविधियों की झलक

मई, 2010

राजेश कुमार शर्मा भा.प्र.से.
उपायुक्त-सह-अध्यक्ष (आत्मा)
सरायकेला-खरसावाँ, झारखण्ड

संदेश

जिले में किसानों को कृषि कार्य से बहुत कम आय प्राप्त हो पाता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु बहुआयामी उपाय के रूप में जिले में "*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना*" चलाई जा रही है, जिसका कार्यान्वयन 'आत्मा' संस्थान के द्वारा किया जा रहा है।

इस योजना के अधीन विभिन्न कार्यक्रमों का "*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना संदेश*" नामक न्यूजलेटर का प्रकाशन सराहनीय प्रयास है।

आशा करता हूँ कि इस संदेश के प्रकाशन से जिले के कृषकों के विकास में मदद मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(राजेश कुमार शर्मा)

सीता राम बारी झा.प्र.से.
उप विकास आयुक्त-सह-उपाध्यक्ष (आत्मा)
सरायकेला-खरसावाँ, झारखण्ड

संदेश

जिले के किसानों के समग्र विकास हेतु "मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना" के अधीन समेकित कृषि प्रणाली की अवधारणा को 'आत्मा' संस्थानों के माध्यम से सरायकेला जिले में लागू किया गया है।

इस योजना के लागू होने से भूमिहीन, सीमान्त एवं लघु कृषकों को विकास के लिए रोजगार के अवसर का सृजन हुआ है, जिसे "*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना संदेश*" नामक न्यूजलेटर के माध्यम से अवगत कराने का पहला प्रयास काफी प्रशंसनीय है।

आशा करता हूँ कि इस न्यूजलेटर के प्रकाशन से पूरे जिले में समेकित कृषि प्रणाली की अवधारणा को लागू करने में गतिशीलता आएगी और जिले के ग्रामीण इलाकों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बल मिलेगा।

शुभकामनाओं सहित,

(सीता राम बारी)

माननीय कृषि मंत्री द्वारा किसानों को सम्मान

17–18 फरवरी, 2010 को आयोजित जिला स्तरीय किसान मेला में मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के अधीन चयनित काठजोड़ एवं जरकानी संकुल हेतु 4 "सिद्धू–कान्हू कृषक पाठशाला" का माननीय कृषि मंत्री श्री मथुरा प्रसाद महतो जी ने ऑनलाईन उद्घाटन करते हुए लाभुकों को 51,000/– प्रति कृषक पाठशाला वितरित किया। योजनाधीन कृषि प्रार्दश प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कृषकों को फर्टीलाईजर ब्रॉडकास्टर/नेपसेक स्प्रेयर तथा द्वितीय स्थान प्राप्त कृषकों को कुदाल प्रदान किया गया।

काठजोर संकुल में झरने के पानी का बेहतर उपयोग

मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के अंतर्गत चयनित संकुल ''काठजोड़'' में स्थित डंगा पहाड़ पर बहता हुआ झरने का पानी जमीन पर रिसते हुए बर्बाद हो जाता था, वर्ष 2008–09 में संकुल के चयनोपरांत कृषकों एवं परियोजना निदेशक के साथ हुए बैठक में किसानों द्वारा उक्त झरने के पानी को पाईप द्वारा तालाब तक लाने एवं खेतों में उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। जिसपर उपायुक्त–सह–अध्यक्ष (आत्मा) के निदेशानुसार आधारभूत संरचना मद एवं ग्रामीणों के सहयोग से 900 फीट पाईप लगवाकर उसे एक नाली का रुप दिया गया, नाली के सहारे बहता हुआ पानी तालाब में जमा हो रहा है जिससे करीब 300 एकड़ जमीन में सिंचाई का उपयोग होने लगा है। किसानों को सालों भर खेती कर अपना भरण–पोषण करने का अवसर मिला है।

बंजर भूमि का विकास

श्री राजेश कुमार शर्मा, उपायुक्त–सह–अध्यक्ष, आत्मा, सरायकेला के आदेश से इस योजना में नरेगा के कार्यक्रमों का अभिसरण करते हुए ''जरकानी'' संकुल में 70.8 एकड़ उबड़–खाबड़ जमीन का समतलीकरण एवं पाडुगीती गाँव में कुल 4.68 एकड़ भूमि में दो तालाब का निर्माण तथा ''काठजोड़'' संकुल में 34 एकड़ भूमि का समतलीकरण एवं 13 तालाब का निर्माण करा कर बंजर भूमि के विकास को बढ़ावा दिया गया।

विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रमों का अभिसरण

आत्मा, सरायकेला के द्वारा जिले में कार्यान्वित ''**मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना**'' के अधीन वर्ष 2008–09 में जरकानी (राजनगर प्रखण्ड) एवं काठजोड़ (चाण्डिल प्रखण्ड) तथा वर्ष 2009–10 में प्रधानडीह (खारसाँवा प्रखण्ड) एवं बुरूडीह (गम्हरिया प्रखण्ड) का चयन किया गया।

डेयरी विकास

इस योजना में गव्य विकास के कार्यक्रमों का अभिसरण से दोनों संकुल में एक–एक डेयरी पशु विकास केन्द्र की

स्थापना कराई गई। दोनों संकुल में पशु उत्पादन शिविर तथा 38 कृत्रिम गर्भाधान शिविर का आयोजन किया गया एवं पशु औषधि, हरा चारा बीज व क्षुधावर्धक औषधि का वितरण कराया गया। पाँच पशुपालक गोष्ठी का आयोजन करते हुए पशुपालन तकनीक पर लिफलैट का वितरण किया गया। इससे संकुल के 550 पशुपालक लाभान्वित हुए।

सूकर एवं बकरी पालन

स्वयं सहायता समूह के विकास को बढ़ावा देने हेतु दोनों संकुल में से जरकानी में 14 (दो ग्रुप को रिवोल्विंग फंड की राशि) तथा काठजोर में 4 (3 सुकर पालन) समूह का गठन किया गया। इन समूहों में बकरी पालन हेतु शेड का निर्माण तथा बाँस टोकरी के निर्माण हेतु शेड का निर्माण कराया गया।

विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रमों का अभिसरण

मुर्गी पालन

जिला पशुपालन विभाग के कार्यक्रमों का अभिसरण करते हुए दोनों संकुल के कुल 100 किसानों को ''**मुर्गी**

पालन तकनीकी'' पर आत्मा भवन, सरायकेला में प्रशिक्षण दिया गया। काठजोड़ संकुल में मुर्गी पालन हेतु 1.59 लाख, बकरी गृह निर्माण हेतु 0.70 लाख तथा जरकानी संकुल में मुर्गी पालन हेतु 0.90 लाख तथा बकरी गृह निर्माण हेतु 1.80 लाख की सहायता राशि दी गई । काठजोड़ संकुल में माह जून एवं जुलाई, 2009 में 4 पशु शिविर तथा जरकानी संकुल में 2 पशु शिविर के आयोजन से 300 लोग लाभान्वित हुए।

सूकर पालन पर प्रशिक्षण

दोनों संकुल में सुकर पालन समूह का गठन करते हुए लगभग 50 सुकर पालक को राँची पशुचिकित्सा महाविद्यालय में प्रशिक्षण के उपरांत संकुल में प्रत्यक्षण कराया गया ।

मत्स्य पालन

जिला मत्स्य विभाग के योजनाओं का अभिसरण से काठजोड़ संकुल के 3.20 एकड़ में फैले तालाब में रेहु, कतला एवं मृगल के कुल 17 हजार मत्स्य बीजों का संचयन कराया गया। जरकानी संकुल के 6.0 एकड़ में फैले तालाब में रेहु, कतला एवं मृगल के कुल 25 हजार 500 मत्स्य बीजों का संचयन कराया गया। इन दोनों संकुल के मत्स्य पालक किसानों को मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण, बुकलेट, पम्पलेट एवं निकटवर्ती तालाबों में आधुनिक विधि से मत्स्य पालन के क्षमता विकास हेतु परिभ्रमण कराया गया।

वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के कार्यक्रम का अभिसरण से काठजोड़ एवं जरकानी संकुल के 25–25 किसान

समूहों को ''**श्री विधि धान की खेती**'' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया और 4–4 वर्मी कम्पोस्ट ईकाई की स्थापना कराई गई ।

विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रमों का अभिसरण

सुनिश्चित सिंचाई सुविधा

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अभिसरण से 4 माइक्रोलिफ्ट सिंचाई सुविधा का निर्माण कार्य पूरा किया गया।

परिभ्रमण कार्यक्रम

एक्सटेंशन रिफोर्म्स परियोजना के कार्यक्रमों के अभिसरण से काठजोड़ एवं जरकानी संकुल के लगभग 100–100 किसानों को बी.ए.यू. राँची में आयोजित एग्रोटेक किसान मेला, 2009 तथा एग्रोटेक किसान मेला, 2010 का परिभ्रमण तथा प्रमण्डलस्तरीय किसान मेला, चाईबासा के परिभ्रमण से लगभग 250 किसान लाभान्वित हुए।

गरमा मुँग पर प्रत्यक्षण

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अधीन दोनों संकुल के 10 कृषक समूहों के प्रक्षेत्र में गरमा मुँग फसल पर प्रत्यक्षण कराया गया।

किसान गोष्ठी का आयोजन

कुल 17 स्वयं सहायता समूह का गठन करते हुए आधुनिक खेती पर कुल 5 किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिससे 300 कृषक लाभान्वित हुए।

मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण

संकुल में मशरूम उत्पादन समूह का गठन करते हुए मशरूम की व्यावसायिक खेती हेतु हार्प्प, पलाण्डु में 30 कृषकों को प्रशिक्षित कराया गया।

विभिन्न योजनाओं के कार्यक्रमों का अभिसरण

मिट्टी की जाँच

कृषि विभाग के कार्यक्रमों का संकुल में अभिसरण करते हुए कुल 849 किसानों की भूमि की मिट्टी की जाँच बी.ए.यू., रांची से कराकर उर्वरक अनुशंसा सहित मृदा स्वास्थ्य कार्ड को किसानों के बीच वितरित किया गया।

उन्नत बीज का वितरण

कृषि विभाग के योजनाओं का अभिसरण से काठजोड़ एवं जरकानी संकुल में किसानों के बीच 236 क्विंटल गेहूँ, 18.4 क्विंटल मकई, 28.8 क्विंटल चना, 10 क्विंटल सरसों, 10 क्विंटल चना एवं 5 क्विंटल मसूर के उन्नत एवं प्रमाणित बीज को वितरित किया गया।

पठारी एग्रोटेक में भागीदारी

आत्मा, सरायकेला द्वारा जिले के 2 संकुल के 50–50 किसानों ने 7–9 फरवरी 2010 को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची द्वारा आयोजित एग्रोटेक–2010 किसान मेला–सह–गोष्ठी में भाग लिया। मेले में किसानों ने समन्वित कृषि प्रणाली पर आधारित आदर्श स्टॉल, 100 से ज्यादा अन्य स्टॉल, कृषक गोष्ठी, प्रक्षेत्र परिभ्रमण द्वारा नवीनतम तकनीकों को देखा एवं समझा।

व्यावसायिक फूलों की खेती पर परिभ्रमण

दोनों संकुल के 50 किसानों को व्यावसायिक फूलों की खेती हेतु प. बंगाल की खड़गपुर एवं आसपास के इलाकों का अंतरराजकीय परिभ्रमण कराया गया।

जिला स्तरीय किसान मेला का आयोजन

मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजनान्तर्गत 16 मार्च, 2010 को जिला स्तरीय किसान मेला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त–सह–अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला उपस्थित थे। मेले में सरायकेला जिले के आठ प्रखण्डों से लगभग 350 किसानो ने भाग लिया। मेले में कुल 27 प्रकार के प्रादर्श के साथ लगभग 200 किसान प्रतिभागियों ने भाग लिया। मेले में प्रथम पुरस्कार के रूप में 28 किसानों को नेपसेक स्प्रेयर एवं फर्टीलाईजर ब्रॉडकास्टर से पुरस्कृत किया गया तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में कुल 27 किसानों को दो कुदाल प्रति किसान प्रदान किया गया।

राज्यस्तरीय किसान मेला-सह-गोष्ठी में भागीदारी

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड सरकार के द्वारा 27–28 मार्च, 2010 को आयोजित राज्यस्तरीय किसान मेला–सह–प्रदर्शनी में आत्मा, सरायकेला को मुख्यमंत्री किसान खुशहाली के अधीन प्रतिनिधत्व करने का मौका मिला। शहीद मैदान, धुर्वा, राँची में आयोजित इस मेले में आत्मा, सरायकेला के द्वारा समेकित कृषि प्रणाली पर प्रस्तुत स्टॉल को सर्वाधिक पसंद किया गया। इस मेले में योजनाधीन जिले के कुल 100 कृषकों को मेला का परिभ्रमण कराया गया। जहाँ किसानों को आधुनिक तकनीकी प्रादर्श व स्टॉल को देखने एवं किसान गोष्ठी में भाग लेने का अवसर मिला।

श्री एम. एस. ए. एम. शिवा
राज्य स्तरीय परियोजना निदेशक
मु.मं.कि.खु.यो.
झारखण्ड, राँची

संदेश

राज्य के लघु एवं सीमान्त कृषकों तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों के आय वृद्धि हेतु बहुआयामी प्रयास की दिशा में ''*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना*'' एक सशक्त कदम के रूप में उभरी है।

आत्मा, सरायकेला के द्वारा ''*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना संदेश*'' नामक न्यूजलेटर के प्रकाशन से मुझे अपार हर्ष हो रहा है।

आत्मा, सरायकेला के द्वारा योजना के अधीन चयनित संकुल में किये गये अभिसरण कार्यों की सफलगाथा की झलक को इस न्यूजलेटर के माध्यम से प्रचार-प्रसार का प्रयास काफी सराहनीय कदम है।

आशा करता हूँ कि इस प्रकाशन से जिले के किसानों एवं प्रसारकर्मियों को बेहतर कृषि विकास की प्रेरणा मिलेगी, ताकि बहुतायत किसानों की दशा एवं दिशा में बेहतर बदलाव लाया जा सके।

शुभकामनाओं सहित,

(एम. एस. ए. एम. शिवा)

अमरेश कुमार झा
परियोजना निदेशक
आत्मा, सरायकेला

सम्पादकीय

सरायकेला-खरसावाँ जिले की कृषि प्रणाली मुख्य रूप से वर्षाश्रित होने के कारण यहाँ के कृषक एक फसली कृषि कार्य के लिए विवश हैं। सिंचाई सुविधा सीमित होने के कारण जिले की सस्य सघनता भी लगभग 109 प्रतिशत होने के कारण किसानों को कृषि से बहुत कम आय प्राप्त हो पाता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु जिले में कार्यान्वित ''*मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना*'' के कार्यक्रमों एवं अन्य योजनाओं के कार्यक्रमों के अभिसरण को इस प्रकाशन के माध्यम से आप सबों के अवलोकनार्थ समर्पित है।

आशा करता हूँ कि इस संदेश से जिले के किसानों एवं प्रसार कर्मियों को लाभ होगा तथा उनके समेकित सहयोग से योजनाधीन किसानोपयोगी विकास कार्य को नयी दिशा दी जा सकेगी।

(अमरेश कुमार झा)

सम्पादक मण्डल

संरक्षक	:	**श्री राजेश कुमार शर्मा,** भा.प्र.से. उपायुक्त-सह-अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला
उप संरक्षक	:	**श्री सीता राम बारी,** झा.प्र.से. उपविकास आयुक्त-सह-उपाध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला
मुख्य संपादक एवं प्रकाशक	:	**श्री अमरेश कुमार झा** परियोजना निदेशक (आत्मा), सरायकेला
वरिष्ठ संपादक	:	**श्री अजय कुमार** मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, बी.ए.यू., राँची
संपादक	:	**श्री विजय कुमार सिंह** उप परियोजना निदेशक (आत्मा), सरायकेला
टंकन	:	**श्री मुकेश कुमार** कम्प्यूटर ऑपरेटर (आत्मा), सरायकेला
साज-सज्जा	:	**श्री अनुज कुमार आचार्या** लेखापाल (मु.म.कि.खु.यो.), आत्मा, सरायकेला

श्री अमरेश कुमार झा, परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला के द्वारा मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के अधीन प्रकाशित।
फोन : 06597-234911 ● फैक्स : 06597-234912 ● ई-मेल : atmaseraikella@yahoo.co.in ● वेबसाइट : www.atmaseraikella.org

738/04/10 • KAILASH PAPER; TEL. 0651-2532251